International Research Journal of Human Resource and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor 5.414 Volume 6, Issue 11, November 2019
Website- www.aarf.asia, Email : editoraarf@gmail.com

बिहार के ग्रामीणक्षेत्र में सामाजिक संरचना व ग्रामीण वकास का भौगो लक अध्ययन

अ मत कुमार
भूगोल वभागआर0 के0 कॉलेज मधुबनी (बिहार)

परिचय

बिहारराज्य के पूर्वी व द क्षण पूर्वी भाग में नक्सली के सहारे पेटी के रूप में भू म में फैला भाग है। यह क्षेत्र भौगो लक वषमताओंबीहड़ वनोंदस्युओं के आतंक का भाग होने के कारण वकास की दृष्टि से पछड़े जिलों की श्रेणी में आता हैयह क्षेत्र नक्सली के नाम से जाना जाता है। इसके अन्तर्गत बांका कशनगंज अररिया सीतामढ़ी छपरा जिलों के गांव सम्मि लत है। इसमें से छपरा जिले में आ र्थक वकास के सूचकांक शक्षारोजगारसड़कपानी च कत्सा व स्वास्थ्य सेवाएँ उद्योग आदि के वकास हेतु बुनियादी आधारभूत सु वधाओं के अभाव में अभी मलों दूर है। नक्सलीक्षेत्र के छपरा जिले में व्याप्त समस्याओं का समाधान नहीं होने सामाजिकआ र्थकराजनैतिकरूप से सुदृढ़ नहीं हुआ है।

छपरा जिला कई वर्षों बाद भी बिजलीपानी व सड़क जैसी मूलभूत सु वधाओं के अभाव से अभी भी समस्याग्रस्त हैजिले में पेयजल की योजना और ओद्यो गक वकाससड़कों की खराब स्थितिरेललाईन से अछूता हैजिला बनने के बाद शहर की आबादी का वस्तार तेज गति से बढ़ा हैले कन वकास अपे क्षत रूप से पर्याप्त नहीं हो पाया। जिलें में सामाजिकआ र्थक व शैक्ष णक दृष्टि से अत्य धक पछड़ा क्षेत्र है क्यों क यहां की भौगो लक परिस्थितियाँ वषय हैजो असमतल भू मऊबड़-खाबड़च ानीगोलाश्म खण्ड तथा बीहड़ों से नि र्मत है।

छपरा क्षेत्रीय वकास परियोजना

बिहार के 8 जिलों की 22 पंचायत स म‍तियों में 371 ग्राम पंचायतें सम्मि लत है। परियोजना का शुभारम्भ 1995-96 में हुआ। ले कन राजनैतिक कारणों से वर्ष 2000-01 में बन्द कर दिया। पुनः इस योजना को वर्ष 2004-05 में वापस शुरू कया गया हैजो यहाँ की भौगो लकसामाजिक-आ र्थक परिस्थितियों के साथ ही पेयजल शक्षारोजगारसड़क आदि आधारभूत सु वधाओं के अभाव से राज्य सरकार ने यह निर्णय लया गया प्रस्तुत शोध पत्र में राज्य में वकास क्षेत्र का जिलेवार वकास स्तर मापन व भौगो लक प्रभाव का वश्लेषण कर उ चत नियोजन की नीतियों द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर व्याप्त वषमता को दूर करने का प्रयास कया गया है।

(अ) योजना का बजट व्यय प्र क्रया

© Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

यह पूर्णत राज्य पो षत योजना है। राज्य स्तर पर उपलब्ध नि ध में से 3 प्रतिशत बजट प्रशासनिक व्यय हेतु खर्च कया जागा। दूसरा प्रशासनिक मद की आर क्षत रा श के उपरान्त शेष रा श (1) उपलब्ध रा श की 50 प्रतिशत रा श उस जिले के ग्रामीण क्षेत्र के बीपील परिवार की संख्या के आधार पर (2) 50 प्रतिशत रा श जिले के नक्सली क्षेत्र की साक्षरता और औसत साक्षरता प्रतिशत के अन्तर के आधार पर खर्च कया जागा।

(ब) योजनान्तर्गत वकास कार्यों के ल ए उपलब्घ बजट में से 80 प्रतिशत रा श समग्र ग्राम वकास में शुभ श्री योजना'नक्सली वकास के ग्राम पंचायत मुख्यालय पर जनसंख्या के आधार पर चरणबद्ध से समग्र वकास करना। इसमें से 15 प्रतिशत रा श का परिसम्पतियों के रख-रखाव मरम्मतसृदृढ़ीकरण व जीर्णोद्वार पर व्यय की जाती है।

(स) योजनान्तर्गत 20 प्रतिशत रा श नक्सली क्षेत्र में शा मल क्षेत्रों में पछड़ेपन व गरीबी दूर करने के ल ए आधारभूत सु वधाओं जैसे रेल्वेओवर ब्रिजरेल्वे अण्डर ब्रिजसड़क पुलसामुदायिक वेयर हाउसलघु उद्योग इत्यादि के निर्माण में खर्च कर क्षेत्र में सामाजिक आ र्थक वकास के स्तर को के ल कया जाता है।

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत शोध अध्ययन क्षेत्र बिहार के पूर्वी भाग में स्थित हैजिसकी भौगो लक स्थिति वस्तार 26से 26 उतरी अक्षांश पूर्व से 76 देशान्तर के मध्य स्थित है। जो मान चत्र संख्या 1 से स्पष्ट है। इस जिले का भौगो लक क्षेत्रफल 5043 वर्ग कलोमीटर है। जनगणना 2011 के अनुसार छपराजन्सं खकी संरचना जिले की जनसंख्या 82960 है। जनसंख्या का घनत्व 264 व्यक्ति प्रति वर्ग कलोमीटर है। छपरा जिले की साक्षरता 66.22 प्रतिशत है। जिसमें महिला साक्षरता 48.60 प्रतिशत लंगानुपात 861 महिला प्रति हजार पुरूष है। 2011 में बीपील 68276 (31.83 प्रतिशत) परिवार है। यहाँ की कुल कार्यशील जनसंख्या का 83 प्रतिशत भाग कृ ष कार्य व खनन कार्यों में संलग्न है। 2011 के प्रशासनिक दृष्टि से जिले 7 तहसील और 6 पंचायत स मति तथा 459 राजस्व गांव हैजब क राजनीतिक दृष्टि से वधानसभा व लोकसभा क्षेत्र है। कृ ष व खनन के अलावा यहां के लोग पशुपालनकुटीर उद्योगों से अपना जीवन-यापन करते हैं।

शोध उद्देश्य

1. परियोजना के प्रभावी क्रयान्वयन में आ रही बाधाओं को चन्हित करना।
2. परियोजना के अन्तर्गत हु वकास कार्यों की समीक्षा कर वश्लेषण करना।
3. परियोजना के प्रभावी क्रयान्वयन में आ रही बाधाओं को अं कत करना वं निराकरण के उपाय प्रस्ता वत करना।
4. परियोजना के वकास कार्यों से स्थानीय लोगों के जीवन में बदलाव की समीक्षा करना।

संमक स्रोत

प्रस्तुत शोध पत्र आंकड़ों में द् वतीयक समकों के वश्लेषण पर आधारित हैअतः निम्न ल खत संस्थान व कार्यालयों से समकों का संकलन कया गया है -

1.जनगणना सेंसेक्स छपरा 2011-2001 बिहार सरकार
2. कार्यालय जिला परिषदछपरा

3. कार्यालयजिला सांख्यिकी छपराबिहार सरकार

4. कार्यालय नक्सली क्षेत्रीय वकासबिहार सरकार

5. बीपील सेंसेक्स2002 बिहार सरकार

शोध अध्ययन का महत्त्व

वर्तमान में परियोजना का शुभारम्भ 1995-96 में हुआ ले कन राजनैतिक कारणों से इस योजना को 2000-01 में बंद कर दिया गया। यह क्षेत्र सामाजिकआ र्थक व आधारभूत सु वधाओं जैसे-पेयजल शक्षारोजगारजन-जागरूक व कुरीतियों की दृष्टि से पछड़ा हुआ था। अतः इस पछड़ेपन को देखते हु वर्ष 2005-06 में इस योजना को पुनः प्रारम्भ कया गया। वर्तमान में यह योजना बिहार के 8 जिलों में संचा लत हो रही है। यह योजना केवल नक्सली क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के वकास के ल ही

कार्यरत है। इस योजना द्वारा स्थानीय समुदाय की परिसम्पआधारभूत सु वधाओं जैसे-पेयजल हेतु हैण्डपम्प/ट्यूबवैल/नलकूप सम्बन्धित कार्यसड़क निर्माणपुलया निर्माणपशु च कत्सालय भवन निर्माणवाटर हार्वेस्टिंग सम्बन्धित निर्माण आदि वकास के कार्य करवाना नक्सली क्षेत्रीस वकास परियोजना मुख्य उद्देश्य है।

सारणी 1. नक्सली क्षेत्रीय वकास छपरा जिले की जननां कय संरचना

	कुल	ग्रामीण	शहरी
परिवार	262659	2205191 (85)	374468 (15)
लंगानुपात	861	856	889
क्षत्रे फल	5524	5431.07	92.95
अनुसू चत जाति जनसंख्या	354465 (24.31)	313060 (25.24)	41405 (18.98)
अनुसू चत जनजाति जनसंख्या	324760 (22.28)	314468 (25.36)	10492 (4.81)
कार्यशील जनसंख्या		45.2	31.3
मुख्य कार्यशील जनसंख्या		68.0	83.8
सीमान्त कार्यशील जनसंख्या		32.0	16.2

स्रोतः सांख्यिकी वभागजनगणना सेंसेक्स**2011**छपरा

सारणी संख्या **1** के अनुसार आंकड़ों के वश्लेषण से ज्ञात होता है क छपरा जिले में कुल **262659** परिवार निवास करते हैं जिसमें से **85 (225191)**प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र और **15 (37468)**प्रतिशत परिवार शहरी क्षेत्र में निवास करता है। कुल जनसंख्या में अजजा जनसंख्या **22.28** प्रतिशत है जिसका ग्रामीण क्षेत्र में **25.36** प्रतिशत और शहारी क्षेत्र में **4.81** प्रतिशत निवास करती है। अजा की जनसंख्या **24.31** प्रतिशत जिसकी **25.24** प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र और तथा **18.98** प्रतिशत शहरी क्षेत्र में निवास करती है।

सारणी 2 छपरा जिला: गांवों की संख्या का प्रतिशत

सारणी 2. करौली जिला : गांवों की संख्या का प्रतिशत

क्र. सं.	जनसंख्या	गांवों की संख्या	गांवों का प्रतिशत
1	200 से कम	48	4.70
2	200 – 499	114	13.39
3	500 – 999	232	27.26
4	1000 – 1999	267	31.37
5	2000 – 4999	170	19.97

Source : Directorate of Economics & Statistics Dept. of Planning Rajasthan Some Facts About Rajasthan 2016

सारणी संख्या 2 के अनुसार जिले में कुल 888 गांवों में से 851 गांव आबाद तथा 37 गांव गैर आबाद (गैर आवासीय) है। जिसमें दस हजार से अ धक जनसंख्या वाला क गांव 5000 से 9999 जनसंख्या वाले 2.23 (19 प्रतिशत) गांव है2000 से 4999 तक जनसंख्या वाले 19.97 (170 प्रतिशत)1000 से 1999 तक जनंसख्या वाले 31.37 (267) प्रतिशत500 से 999 जनसंख्या वाले 27.26 (232) प्रतिशत200-499 तक जनसंख्या वाले 13.39 (114) प्रतिशत और 2000 से कम जनसंख्या में 4.70 (48) प्रतिशत गांवों की संख्या आती है।

सारणी संख्या 3 के अनुसार के वश्लेषण से स्पष्ट होता है क नक्सली जिला छपरा में साक्षरता की दृष्टि से कुल साक्षरता दर 66.2 प्रतिशत पुरूष81.4 प्रतिशत तथा महिला 48.6 प्रतिशत है। अजा में साक्षरता दर 61.21 प्रतिशत पुरूष 78.51 प्रतिशत महिला 41.43 प्रतिशत है। अजजा जनसंख्या में कुल दर 66.53 प्रतिशत पुरूष 82.33 प्रतिशत और महिला 47.99 प्रतिशत साक्षरता दर है। जो जिले में सबसे कम महिला साक्षरता दर राज्य के औसत से भी काफी कम हैअजा. की महिला साक्षरता बहुत ही कम 41.43 प्रतिशत है।

सारणी 3.नक्सली क्षेत्र: साक्षरता दर (प्रतिशत)

	कुल साक्षरता	महिला	पुरूष
कुल साक्षरता	66.20	48.60	81.40
अनुसू चत जाति साक्षरता	61.21	41.43	78.51
अनुसू चत जनजाति साक्षरता	66.53	47.99	82.23
कार्यशील जनसंख्या	43.20	38.20	47.40
मुख्यकार्यशील जनसंख्या	69.70	50.20	83.30
सीमान्त कार्यशील जनसंख्या	30.30	49.80	16.70

स्रोत: सांख्यिकी वभागजनगणना सेंसेक्स 2011 छपरा

सारणी संख्या **4** से स्पष्ट है क जिले की व्यवसायिक कार्यशील जनसंख्या में कुल **43.1** प्रतिशत महिलापुरूष **47.4** प्रतिशत है। मुख्य कार्यशील में कुल **69.7** प्रतिशतमहिला **50.2** प्रतिशत पुरूष 47ण4 प्रतिशतसीमान्त कार्यशील में कुल **30.3**प्रतिशत महिला **49.8** प्रतिशत और पुरूष **16.7** प्रतिशत जो काफी न्यून है।

सारणी4.जिला छपरा: कार्यशील जनसंख्या (प्रतिशत)

	व्यक्ति	पुरूष	महिला	ग्रामीण	नगरीय
काश्तकार	28.40	23.20	38.00	41.00	1.90
खेतीहर मजदूर	13.80	8.30	24.10	19.70	1.50
गृह उद्यागे	3.40	3.20	3.60	2.10	6.00
अन्य	54.40	65.20	34.30	37.20	90.70
	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

स्रोत: सांख्यिकी वभागजनगणना सेंसेक्स**2011**छपरा

सारणी **4** के आंकड़ों के वश्लेषण से स्पष्ट है क काश्तकार कुल **28.4** प्रतिशत महिला **38.0** पुरूष **23.2** प्रतिशत तथा ग्रामीण क्षेत्र में **41.04** प्रतिशत काश्तकार कार्यशील है। कृ ष मजदूर कुल **13.8** प्रतिशत पुरूष 8ण3 महिला **24.2** प्रतिशत और ग्रामीण में **19.7** शहरी में**1.5**प्रतिशत का गृह उद्योग कार्य में कुल 3ण4 प्रतिशत **3.2** पुरूष व **3.6** प्रतिशत महिलां कार्यरत है। ग्रामीण में **2.1** शहरी में **6.0** प्रतिशत अन्य कार्य में कुल **54.4** प्रतिशत पुरूष **65.2** महिला **34.3** प्रतिशत ग्रामीण **37.2** शहरी क्षेत्र में **90.7** प्रतिशत कार्यरत है। प्राथ मक कार्य में ग्रामीण क्षेत्र में काश्तकार में सर्वा धक **41.0**प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में अन्य कार्य में **90.7**प्रतिशत सर्वा धक है।

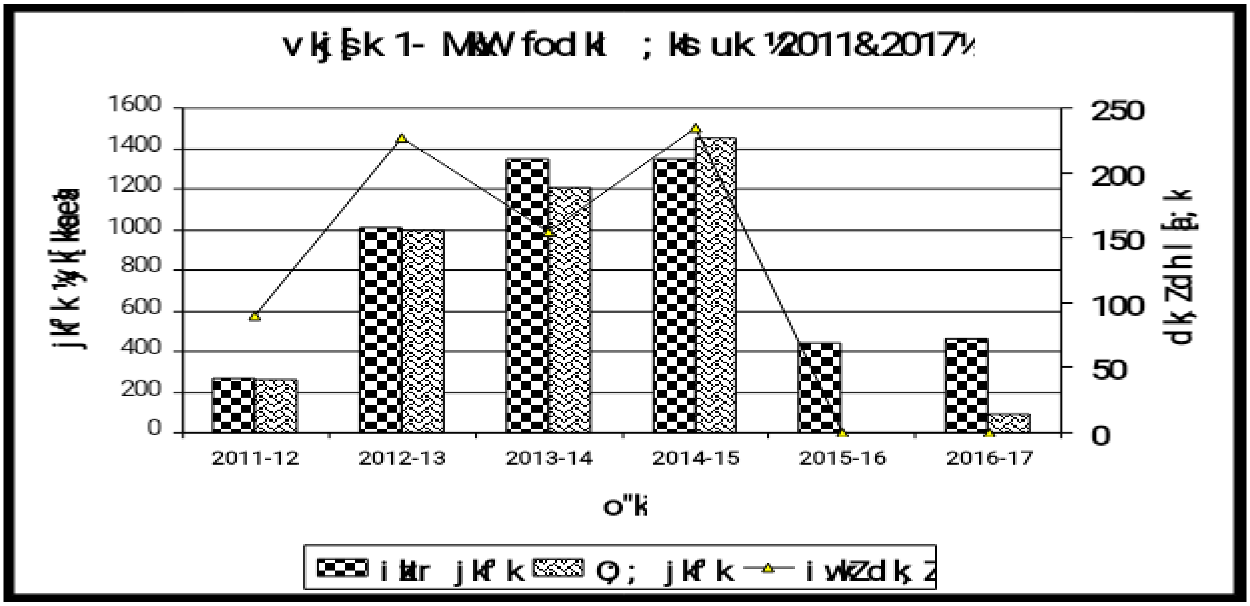

कृतिदेव यहां डॉग वकास योजना वर्ष **2011-12** से **2016-17** तक प्रशासनिक व्त्ाय स्वीकृति रा श कुल 4868ण79 लाख रा श प्राप्त हुई है। क्षत्रे क े वकास मे ंसर्वा धक रा श का आंवटन वर्ष **2013-14** मे ं **134757**लाख रूपयों में से व्यय रा श सर्वा धक वर्ष **2014-15** में **1452**लाख रूपयो का वकास

कार्य हुआ है। डॉग क्षत्रे मे राजनीतिक व प्रशासनिक कार्यों की अरूच का परिणाम है जो आंकड़ो से स्पष्ट होता है क वर्ष **2016-17** में 459ण्18 लाख में से **90.72** लाख रूपयों का व्यय कया गया है। क्षत्रे वकास कार्य मे आंवटन बजट खर्च न कर पाना क्षत्रे क े वकास मे कहीं न कहीं वकास की बाधा बना हुआ है। क्षत्रे में आंवटन पूर्व रा श का क्षेत्र के वकास कार्या मे खर्च कया गया है। सारणी सख्या 4 बीपील डाग वकास योजना में सम्मि लत पंचायत स मतियों में छपरारूपोटरामण्डरायलहिण्डौन कुल गरीब परिवार (बीपील) **3792**निवास करते हैं। इन पंचायत स मतियो मे साक्षरता क्रमशः छपरा **62.33**प्रतिशतसपोटरा **51.89**प्रतिशतमण्डरायल **47.98**प्रतिशत तथा हिण्डौन **54.80**प्रतिशत साक्षरता पाई जाती है। अध्ययन क्षत्रे मे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों मे बीपील जो सर्वा धक हिण्डौन **37.92**प्रतिशतमण्डरायल मे **32.35**प्रतिशत तथा छपरा मे **20.62**प्रतिशत तथा सपोटरा में **12.52**प्रतिशत है।

पंचायत				
स मति	ग्राम पंचायतो की संख्या	योजना क्षेत्र मे सम्मि लत गरीबी रेखा से नीचे के परिवार की संख्या	योजना क्षेत्र का साक्षरता प्रतिशत	बीपीलल
परिवार का प्रतिशत				
छपरा	45	9877	62.23	20.62
सपोटरा	30	16588	51.89	12.52

स्रोतः सांख्यिकी वभागजनगणना सेंसेक्स**2011**छपरा

सुझाव

1.कार्य व्यय रा श की स्वीकृति समय पर दी जानी चाहि।

2.स्वीकृत कार्यों की प्रकृतिआकार को ध्यान में रखते हु उनके निर्माण कार्य पूर्ण होने की अव ध का पूर्वानुमान पहले से ही निर्धारित कर लया जाना चाहि।

3.प्रारम्भ कये गये कार्यों की समय-समय पर मोनिटरिंग व निरीक्षण कया जाना चाहि ता क उपलब्ध/शेष रा श का पूर्ण उपयोग कया जा सके।

4.क्षेत्र में पानी की कमी होने के कारण योजनान्तर्गत जल-संरक्षण के कार्य करवाये जाने चाहि।

5.क्षेत्र में वन वकासकृ ष वं पशुपालन के कार्य करवाये जाने चाहि।

6.रोजगार सृजन हेतु अ धक कार्यों को स्वीकृत कया जाना चाहिये।

7.मजदूरी की दरों की समीक्षा कर मजदूरी की दरों में वृ द्ध की जानी चाहि।

8.स्थानीय आवश्यकता को ध्यान में रखते हु जी वकोपार्जन हेतु कुटीर धन्धों के ल प्र शक्षण की व्यवस्था की जानी चाहि तथा कुटीर उद्योग की स्थापना/संचालन के ल कार्यशील पूंजी हेतु ऋण उपलब्ध करवाया जाना चाहि ता क अ धक से अ धक लोगों को स्थाई रूप से रोजगार मल सकें। इस हेतु पशुपालनडेयरी के कार्यों को प्रोत्साहित कया जावें।

9.सड़क निर्माण के निकटतालाबपेयजल आदि के कार्य योजनान्तर्गत अ धका धक स्वीकृत कये जाने चाहि।

10.क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम पंचायत वं ग्राम में कम से कम क-क कार्य आवश्यक रूप से कया जना चाहि।

11.आवागमन के साधनों की सु वधा की जानी चाहि क्यों क नक्सली की बसावट जंगल वं दुर्गम स्थानों पर है।

12.सरकारी भवनचरागाह भू म पर सघन वृक्षारोपण कये जाने चाहि तथा बेकार पड़ी भू म पर फसल तैयार की जानी चाहि।

सन्दर्भ

1.डॉ. भल्लाल.आर. **2015**बिहार का भूगोलप्रवा लका पब्लि शंग हाउसजयपुर

2.जनगणना सेंसेक्स **2011** भारत सरकार।

3.कार्यालय जिला परिषदछपरावा र्षक प्रगति रिपोर्ट **2012-2017**।

4.नक्सली वकास मूल्यांकन प्रगति रिपोर्टबिहार सरकारवर्ष **2015**।

5.बीपील सेन्सस**2002**बिहार सरकारजयपुर।

6.डॉ. च.च. शर्मा वं म.ल. शर्मा**2012**बिहार का भूगोलपंचशील प्रकाशनजयपुर

© Association of Academic Researchers and Faculties (AARF)